

Sr. No. of Question Paper: 6053

Unique Paper Code : 2102103601

Name of the Paper : Philosophy of Religion

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Semester : 6

Duration : 3 Hours

Maximum Marks:90

Instructions for the Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any Five questions.
3. All questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in ENGLISH or HINDI; but the same medium should be used throughout the paper.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

1. प्रश्न पत्र प्राप्त होते ही सबसे ऊपर अपना अनुक्रमांक लिखें।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं; लेकिन पूरे प्रश्न पत्र में एक ही माध्यम का उपयोग किया जाना चाहिए।

1. Explain the nature of philosophy of religion and how it is distinct from religion?

धर्मदर्शन के स्वरूप की व्याख्या करें और यह धर्म से किस प्रकार भिन्न है?

2. Elucidate on the problem of Religious Language.

धार्मिक भाषा की समस्या पर प्रकाश डालिए।

3. Critically evaluate the ontological arguments for the existence of God.

ईश्वर के अस्तित्व को सिद्ध करने के लिए दिए गए सत्तामूलक प्रमाण की

आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

4. Explain Thomas Aquinas' version of Cosmological argument along with the objections raised against it.

थॉमस एक्विनास के सृष्टिमूलक तर्क के संस्करण को उसके विरुद्ध उठाई गई आपत्तियों के साथ समझाइए।

5. Throw light on the Idea of 'Divine' in Indian philosophical traditions.

भारतीय दार्शनिक परम्पराओं में 'ईश्वर' की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

6. Discuss different version of religious pluralism and critically evaluate the pluralistic hypothesis.

धार्मिक बहुलवाद के विभिन्न संस्करणों पर चर्चा करें और बहुलवादी परिकल्पना का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

7. How does B.R. Ambedkar distinguish the nature and field of philosophy of religion from religion.

बी.आर. अम्बेडकर धर्म के दर्शन की प्रकृति और क्षेत्र को धर्म से किस प्रकार अलग करते हैं?

8. Do you agree with the statement that the "ideas of religious experience in Asia are not really indigenous ideas- they are a relatively late and distinctively Western invention." Examine in the light of June Mc Daniel's article on "Religious Experience in Hindu Tradition".

क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि "एशिया में धार्मिक अनुभव के विचार वास्तव में स्वदेशी विचार नहीं हैं- वे अपेक्षाकृत बाद में और विशिष्ट रूप से पश्चिमी आविष्कार हैं।" जून मैक डैनियल के लेख "हिंदू परंपरा में धार्मिक अनुभव" के प्रकाश में परीक्षण करें।

9. Write Short notes on any two of the following.

1. Teleological argument for the existence of God.

2. Science discredits religion (Richard Dawkins)

3. Idea of Divine in Vedanta Tradition.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें।

1. ईश्वर के अस्तित्व के लिए उद्देश्यपरक तर्क।

2. विज्ञान धर्म का अपयश करता है (रिचर्ड डॉकिन्स)

3. वेदांत परंपरा में ईश्वर का विचार।

